आचार्य (संस्कृत साहित्य)

द्विवर्षीय पूर्णकालिक कार्यक्रम

(प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ सेमेस्टर)

नियम, परिनियम एवं पाठ्यक्रम

प्राच्य संस्कृत विभाग

कला संकाय

लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ–226007

आचार्य (III Sem)

Part	Semester	Course Code	Course Title	Credit	Internal Marks	External Marks
2	III	OSCC 09	ध्वन्यालोक 1–2 उद्योत	04	30	70
		OSCC 10	व्यक्ति विवेक प्रथम विमर्श	04	30	70
		OSCC 11	वक्रोक्तिजीवितम्	04	30	70
		OSCC 12	रसगंङ्गाधर प्रथमानन	04	30	70
		OSDSE 05 OSDSE 06	अग्निपुराण सांख्यकारिका (कोई एक)	04	30	70
		OSSEC 01 OSSEC 02	चम्पू साहित्य आयुर्वेद (कोई एक)	04	30	70
			Total	24		

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्राच्य संस्कृत विभाग, पाठ्यक्रम विवरण

आचार्य तृतीय सेमेस्टर
विषय संस्कृत साहित्य

Course Code – OSCC09 – ध्वन्यालोक 1 से 2 उद्योत

Course Out Come – यह पाठ्यक्रम ध्वनि के सिद्धान्त की स्थापना करने वाले प्रमुख ग्रन्थ ध्वन्यालोक का अध्ययन कराता है तथा उत्तम काव्य के विविध पक्षों का दर्शन कराता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course धवन्यालोक

अन्विति विभाजन – Unitwise Division

वर्ग – 1. मंगलाचरण से कारिका 12 तक

वर्ग – 2. कारिका 13 से प्रथम उद्योत समाप्ति तक

वर्ग – 3. द्वितीय उद्योत कारिका 1 से 16 तक

वर्ग – 4. कारिका 17 से द्वितीय उद्योग समाप्ति तक

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **ध्वन्यालोक** – (लोचन टीका सहित) व्याख्या–जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. **ध्वन्यालोक** – व्याख्या–आचार्य विश्वेश्वर ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
3. **ध्वन्यालोक** – साहित्य भण्डार, मेरठ।

Course Code – OSCC10 – व्यक्तिविवेक प्रथम विमर्श

Course Out Come – व्यक्तिविवेक ध्वनि विरोधी आचार्य महिम भट्ट की कृति है, जिसमें ध्वनि के विरोध में विस्तृत विवेचन किया गया है। इसके

अध्ययन से छात्र ध्वनि के पक्ष एवं विपक्ष दोनों से भलीभांति परिचित हो सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course व्यक्तिविवेक

अन्विति विभाजन – (Unitwise Division)

वर्ग – 1. मंगलाचरण से क्रिया का शब्द प्रवृत्तिहेतुत्व

वर्ग – 2. अर्थ निरुपण से द्विविध प्रकाशक अर्थ

वर्ग – 3. वस्तु व्यंजना विचार ध्वनि लक्षण का शुद्धरूप

वर्ग – 4. शब्द शक्ति खण्डन से अन्त तक

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. व्यक्तिविवेक – प्रो0 रेवा प्रसाद द्विवेदी, वाराणसी।
2. व्यक्तिविवेक – डा0 विद्यानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. **काव्यशास्त्र का इतिहास** – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

Course Code – OSCC11 – वक्रोक्तिजीवितम्

Course Out Come – आचार्य कुन्तक ने वक्रेक्ति को एक सम्पूर्ण सिद्धान्त के रूप में विकसित कर काव्य के समस्त अंगों को इसमें समाविष्ट कर लिया है। इसलिए कुन्तक को वक्रोक्ति सम्प्रदाय का प्रवर्तक आचार्य माना जाता है। इसका अध्ययन कर साहित्य का छात्र काव्य के एक आन्य लक्षण का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course वक्रोक्तिजीवितम्

अन्विति विभाजन – (Unitwise Division)

वर्ग – 1. मंगलाचरण से शब्द और अर्थ साहित्य तक

वर्ग – 2. वक्रता के प्रकार से सुकुमार मार्ग के गुण तक

वर्ग – 3. प्रतीयमानवस्तु और लावण्य भेद

वर्ग – 4. अभिजात्य से प्रथमोन्निमेषान्त

वर्ग – 5. ग्रन्थ तथा ग्रन्थकार समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. वक्रोक्तिजीवितम् – गंगा सागर राय
2. वक्रोक्तिजीवितम् – आचार्य विश्वेश्वर
3. **संस्कृत वांगमय का इतिहास** – आचार्य वल्देव उपाध्याय।

Course Code – OSCC12 – रसगंगाधर प्रथमानन

Course Out Come – रसगंगाधर अंलकार शास्त्र का पण्डित राज जगन्नाथ कृत एक प्रमुख लक्षण ग्रन्थ है। साहित्य के छात्र के लिये इसका अध्ययन अति आवश्यक है जिसके माध्यम से वह काव्य के विविध लक्षणों के सूक्ष्मातिसूक्षम स्वरूप से परिचित हो सकेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course रसगंगाधर

अन्विति विभाजन – (Unitwise Division)

वर्ग – 1. मंगलाचरण

वर्ग – 2. काव्य लक्षण

वर्ग – 3. काव्य भेद

वर्ग – 4. रसस्वरूप से रस दोष

वर्ग – 5. ग्रन्थ तथा ग्रन्थकार समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. **रसगंगाधर** – बद्री नारायण झा
2. **रसगंगाधर** – पण्डित मदन मोहन झा
3. **संस्कृत वांगमय का इतिहास** – आचार्य बल्देव उपाध्याय

Course Code – OSDSE05 – अग्निपुराण

Course Out Come – अग्निपुराण के अध्ययन से छात्र पुराणों का ज्ञान प्राप्त कर सकता है तथा शोध कार्य हेतु भी यह कोर्स सहायक है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** अग्निपुराण **1 से 4 अध्याय**

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. प्रथम अध्याय

वर्ग – 2. द्वितीय अध्याय

वर्ग – 3. तृतीय अध्याय

वर्ग – 4. चतुर्थ अध्याय

वर्ग – 5. समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थः–

1. Agnipurana, Anandashram Edition, Poona
2. Agnipurana, More Edition, Calcutta
3. **अग्नि पुराण** – हिन्दी टीका साहित 1 से 2 भाग वाराणसी।
4. **अग्नि पुराण** – नाग प्रकाशन, देहली।
5. **अग्नि पुराण** – गीता प्रेस, गोरखपुर।

Course Code – OSDSE06 – सांख्यकारिका

Course Out Come – सांख्यकारिका, सांख्य दर्शन का बहुत ही महत्वूपर्ण दर्शन ग्रन्थ हैं इसके प्रणेता ईश्वरकृष्ण है। इसमें सांख्य के परम्परागत ज्ञान को प्रस्तुत किया गया है। इस ज्ञान और प्रामाणिकता के अनुरूप ही इस ग्रन्थ को दार्शनिक क्षेत्र में परम् सम्मान प्राप्त हुआ है, इसका अध्ययन संस्कृत के छात्र को अत्यन्त उपयोगी होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – **Prescribed Course** सांख्यकारिका

अन्विति विभाजन – **(Unitwise Division)**

वर्ग – 1. प्रमुख भारतीय दर्शन (आस्तिक)

वर्ग – 2. श्लोक सं0 1 से 24 तक

वर्ग – 3. श्लोक सं0 25 से 48 तक

वर्ग – 4. श्लोक सं0 49 से 72 तक

वर्ग – 5. समीक्षात्मक प्रश्न

संदर्भ ग्रन्थः–

1. सांख्यकारिका – प्रणेता ईश्वरकृष्ण, चौखम्बा वाराणसी।
2. सांख्यकारिका – श्री ईश्वरकृष्ण, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, आचार्य – जगन्नाथ शास्त्री।
3. **भारतीय दर्शन का इतिहास** – महामहोपाध्याय उमेश मिश्र।
4. **भारतीय दर्शन का इतिहास** – आचार्य बल्देव उपाध्याय।

Course Code – OSSEC 01 – चम्पू साहित्य

Course Out Come – चम्पू श्रव्यकाव्य का एक भेद है, गद्य तथा पद्य मिश्रित काव्य को चम्पू कहा जाता है। भावात्मक विषयों का वर्णन पद्य के द्वारा तथा वर्णनात्मक विषयों का विवरण गद्य के द्वारा किया जाये। काव्य के स्वरूप को समझने के लिये इसका अध्ययन उपयोगी रहेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course चम्पू साहित्य, नलचम्पू

अन्विति विभाजन – (Unitwise Division)

वर्ग – 1. संस्कृत साहित्य की विविध विधाएँ

वर्ग – 2. संस्कृत के प्रमुख चम्पू ग्रन्थ

वर्ग – 3. चम्पू साहित्य का परिचय (उद्भव एवं विकास)

वर्ग – 4. आचार्य त्रिविक्रम भट्ट का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व।

वर्ग – 5. समीक्षा।

संदर्भ ग्रन्थः–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बल्देव उपाध्याय।
2. संस्कृत वांगमय का इतिहास – आचार्य बल्देव उपाध्याय।
3. नलचम्पू – श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय
4. हिन्दी साहित्यकोश भाग – ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

Course Code – OSSEC 02 – आयुर्वेद

Course Out Come – आयुर्वेद लौकिक जगत का एक उपवेद है, जिसका अध्ययन सभी क्षेत्रों के छात्रों को अवश्य करना चाहिये। यह चिकित्साजगत् का प्राचीनतम स्वरूप है। यह विज्ञान, कला एवं दर्शन का मिश्रण है।

निर्धारित पाठ्यक्रम – Prescribed Course आयुर्वेद

अन्विति विभाजन – (Unitwise Division)

वर्ग – 1. आयुर्वेद का परिचय एव इतिहास

वर्ग – 2. काय चिकित्सा, शल्यतन्त्र

वर्ग – 3. शालाक्य तन्त्र, कौमारभृव्य

वर्ग – 4. अगदतन्त्र, भूतविद्या

वर्ग – 5. रसायन तन्त्र, वाजीकरण

संदर्भ ग्रन्थः–

1. चरक संहिता – चरक
2. सुश्रत संहिता – सुश्रुत
3. अष्टांगहृदय – वाग्भट्ट
4. भावप्रकाश – भावमिश्र
5. माधव निदान – माधवकर
6. भेल संहिता – भेलाचार्य
7. काश्यपसंहिता – महार्षि कश्यप
8. अष्टांक संग्रह – वाग्भट्ट